देव गजानन संकट हारण | By Ganesh Pathak

देव गजानन संकट हारण
रिद्धि सिद्धि के है भण्डार
शरण तिहारी आये हैं 3
देव गजानन .....

सोने को तेरे छत्र सोहे
मुकुट की शोभा न्यारी है
माथे पर तेरे तिलक सोहे
कुण्डल चमके भारी है
देव गजानन .....

सूंड निराला तेरे सोहे
हाथ में भरसा भारी है
तन पे रेशमी वस्त्र सोहे
गले में हार हज़ारी है
देव गजानन .....

योगी ऋषि और ग्यानी जन को
गणपति तुम उद्धार करो
जो जन तेरा ध्यान धरे है
उनको भव से पार करो
देव गजानन .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a6%e0%a5%87%e0%a4%b5-%e0%a4%97%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a4%a8-%e0%a4%b8%e0%a4%82%e0%a4%95%e0%a4%9f-%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%a3-by-ganesh-pathak/